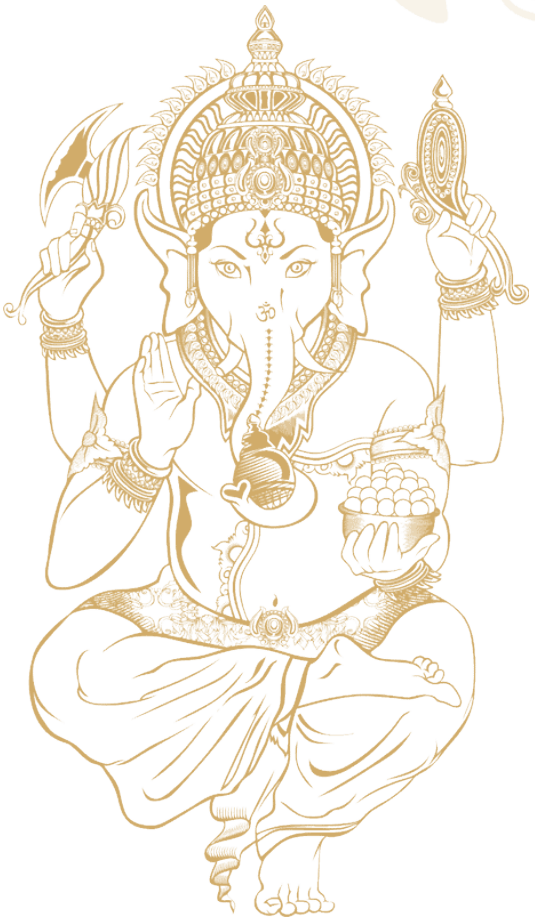

AISHWARYA MOHAN

10 Aug 1985

07:10 AM

Chandigarh

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119598711

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
10/08/1985	जन्म तिथि	**10/08/2025**
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 07:10:00	जन्म समय	13:04:25 घंटे
घटी 03:30:05	जन्म समय(घटी)	18:15:38 घटी
India	देश	India
Chandigarh	स्थान	Chandigarh
उत्तर 30:43:00	अक्षांश	30:43:00 उत्तर
पूर्व 76:47:00	रेखांश	76:47:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:52	स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:58	सूर्योदय	05:46:09
19:09:57	सूर्यास्त	19:09:39
23:39:11	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:58

सिंह	लग्न	तुला
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृष	राशि	कुम्भ
शुक्र	राशि-स्वामी	शनि
कृतिका	नक्षत्र	धनिष्ठा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	4
ध्रुव	योग	शोभन
गर	करण	तैतिल
ए-एकलव्य	जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
वैश्य	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	सिंह
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
गरूड़	वर्ग	मार्जार
40	गत/तत्कालिक वर्ष	41

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मघा	4	10:42:11	सिंह			लग्न			तुला	26:33:08	2	विशाखा
आश्लेषा	3	23:43:40	कर्क			सूर्य			कर्क	23:43:40	3	आश्लेषा
कृतिका	4	07:54:45	वृष			चंद्र			कुंभ	06:12:28	4	धनिष्ठा
पुष्य	4	16:35:01	कर्क			मंगल			कन्या	07:52:10	4	उ०फाल्गुनी
आश्लेषा	3	25:13:57	कर्क	व	अ	बुध	व		कर्क	10:05:21	3	पुष्य
श्रवण	3	17:39:18	मक	व		गुरु			मिथु	19:27:15	4	आर्द्रा
आर्द्रा	3	15:10:34	मिथु			शुक्र			मिथु	17:36:04	4	आर्द्रा
विशाखा	3	28:00:09	तुला			शनि	व		मीन	07:04:08	2	उ०भाद्रपद
भरणी	2	19:47:41	मेष	व		राहु	व		कुंभ	24:17:39	2	पू०भाद्रपद
स्वाति	4	19:47:41	तुला	व		केतु	व		सिंह	24:17:39	4	पू०फाल्गुनी
ज्येष्ठा	2	20:22:49	वृश्चि	व		मु			धनु	10:42:11	4	मूल

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:58

लग्न-चलित

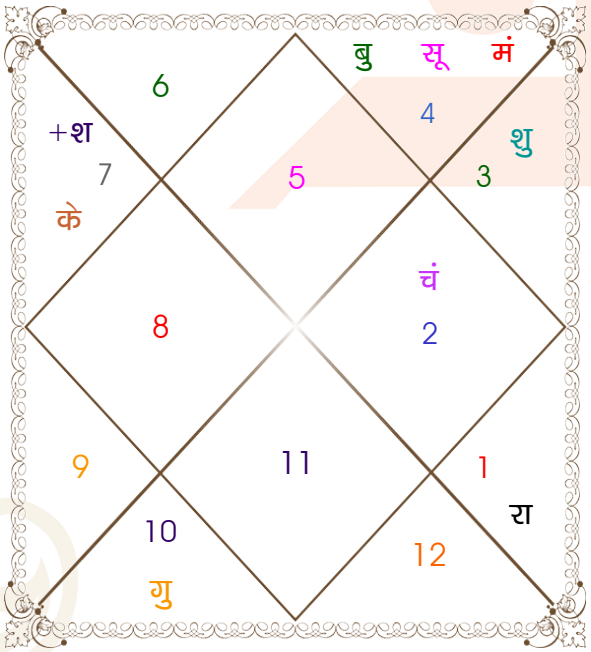

वर्ष लग्न कुंडली

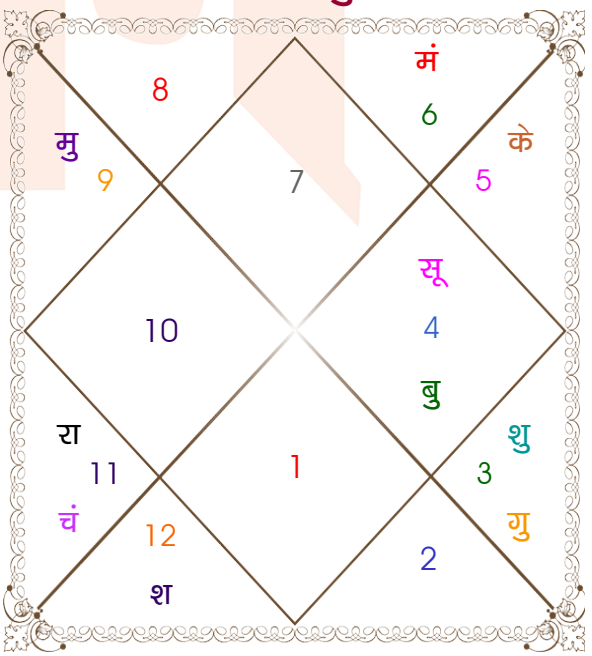

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शनि - राहु		गुरु - शनि - गुरु		गुरु - बुध - बुध		गुरु - बुध - केतु	
30/06/2025 11:42		16/11/2025 06:46		19/03/2026 15:44		14/07/2026 22:36	
16/11/2025 06:46		19/03/2026 15:44		14/07/2026 22:36		01/09/2026 05:39	
राहु	21/07/2025 07:21	गुरु	02/12/2025 17:34	बुध	05/04/2026 06:30	केतु	17/07/2026 18:12
गुरु	08/08/2025 19:30	शनि	22/12/2025 06:23	केतु	12/04/2026 02:42	शुक्र	25/07/2026 19:23
शनि	30/08/2025 18:55	बुध	08/01/2026 17:51	शुक्र	01/05/2026 15:51	सूर्य	28/07/2026 05:20
बुध	19/09/2025 10:49	केतु	15/01/2026 22:35	सूर्य	07/05/2026 12:36	चंद्र	01/08/2026 05:55
केतु	27/09/2025 13:08	शुक्र	05/02/2026 12:04	चंद्र	17/05/2026 07:10	मंगल	04/08/2026 01:32
शुक्र	20/10/2025 16:19	सूर्य	11/02/2026 16:07	मंगल	24/05/2026 03:22	राहु	11/08/2026 07:24
सूर्य	27/10/2025 14:52	चंद्र	21/02/2026 22:52	राहु	10/06/2026 17:36	गुरु	17/08/2026 17:56
चंद्र	08/11/2025 04:28	मंगल	01/03/2026 03:35	गुरु	26/06/2026 08:54	शनि	25/08/2026 09:27
मंगल	16/11/2025 06:46	राहु	19/03/2026 15:44	शनि	14/07/2026 22:36	बुध	01/09/2026 05:39

गुरु - बुध - शुक्र		गुरु - बुध - सूर्य		गुरु - बुध - चंद्र		गुरु - बुध - मंगल	
01/09/2026 05:39		17/01/2027 05:15		27/02/2027 14:44		07/05/2027 14:32	
17/01/2027 05:15		27/02/2027 14:44		07/05/2027 14:32		24/06/2027 21:36	
शुक्र	24/09/2026 05:35	सूर्य	19/01/2027 06:56	चंद्र	05/03/2027 08:43	मंगल	10/05/2027 10:09
सूर्य	01/10/2026 03:10	चंद्र	22/01/2027 17:43	मंगल	09/03/2027 09:18	राहु	17/05/2027 16:00
चंद्र	12/10/2026 15:08	मंगल	25/01/2027 03:40	राहु	19/03/2027 17:41	गुरु	24/05/2027 02:33
मंगल	20/10/2026 16:19	राहु	31/01/2027 08:42	गुरु	28/03/2027 22:27	शनि	31/05/2027 18:04
राहु	10/11/2026 09:03	गुरु	05/02/2027 21:09	शनि	08/04/2027 20:37	बुध	07/06/2027 14:16
गुरु	28/11/2026 18:36	शनि	12/02/2027 10:27	बुध	18/04/2027 15:11	केतु	10/06/2027 09:53
शनि	20/12/2026 14:56	बुध	18/02/2027 07:12	केतु	22/04/2027 15:47	शुक्र	18/06/2027 11:03
बुध	09/01/2027 04:05	केतु	20/02/2027 17:09	शुक्र	04/05/2027 03:45	सूर्य	20/06/2027 21:00
केतु	17/01/2027 05:15	शुक्र	27/02/2027 14:44	सूर्य	07/05/2027 14:32	चंद्र	24/06/2027 21:36

गुरु - बुध - राहु		गुरु - बुध - गुरु		गुरु - बुध - शनि		गुरु - केतु - केतु	
24/06/2027 21:36		27/10/2027 02:02		14/02/2028 11:19		24/06/2028 13:20	
27/10/2027 02:02		14/02/2028 11:19		24/06/2028 13:20		14/07/2028 10:36	
राहु	13/07/2027 12:40	गुरु	10/11/2027 19:16	शनि	06/03/2028 05:26	केतु	25/06/2028 17:10
गुरु	30/07/2027 02:03	शनि	28/11/2027 06:44	बुध	24/03/2028 19:07	शुक्र	29/06/2028 00:43
शनि	18/08/2027 17:57	बुध	13/12/2027 22:03	केतु	01/04/2028 10:38	सूर्य	30/06/2028 00:35
बुध	05/09/2027 08:11	केतु	20/12/2027 08:36	शुक्र	23/04/2028 06:58	चंद्र	01/07/2028 16:21
केतु	12/09/2027 14:03	शुक्र	07/01/2028 18:09	सूर्य	29/04/2028 20:17	मंगल	02/07/2028 20:12
शुक्र	03/10/2027 06:47	सूर्य	13/01/2028 06:36	चंद्र	10/05/2028 18:27	राहु	05/07/2028 19:47
सूर्य	09/10/2027 11:48	चंद्र	22/01/2028 11:23	मंगल	18/05/2028 09:58	गुरु	08/07/2028 11:25
चंद्र	19/10/2027 20:11	मंगल	28/01/2028 21:55	राहु	07/06/2028 01:52	शनि	11/07/2028 14:59
मंगल	27/10/2027 02:02	राहु	14/02/2028 11:19	गुरु	24/06/2028 13:20	बुध	14/07/2028 10:36

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे तथा शान्ति एवं सन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस समय लेखन कार्य तथा शास्त्रों के अध्ययन में आपकी रूचि रहेगी तथा कई कलाओं के विषय में जानने को आप इच्छुक रहेंगे। इस समय आपका व्यवहार अन्य लोगों से अच्छा रहेगा तथा सबको प्रभावित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही प्रत्युत्तर देकर प्रतिवादी को भी आप शान्त एवं प्रभावित करने में आप सफल होंगे। शत्रुपक्ष इस समय आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेगा एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। गणित या ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में इस समय आप कोई विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर सकते है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभार्जन भी होगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा समस्त सुख संसाधनों को उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक यह वर्ष व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रूचिशील रहेंगे।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार सबंधी कार्यो में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।